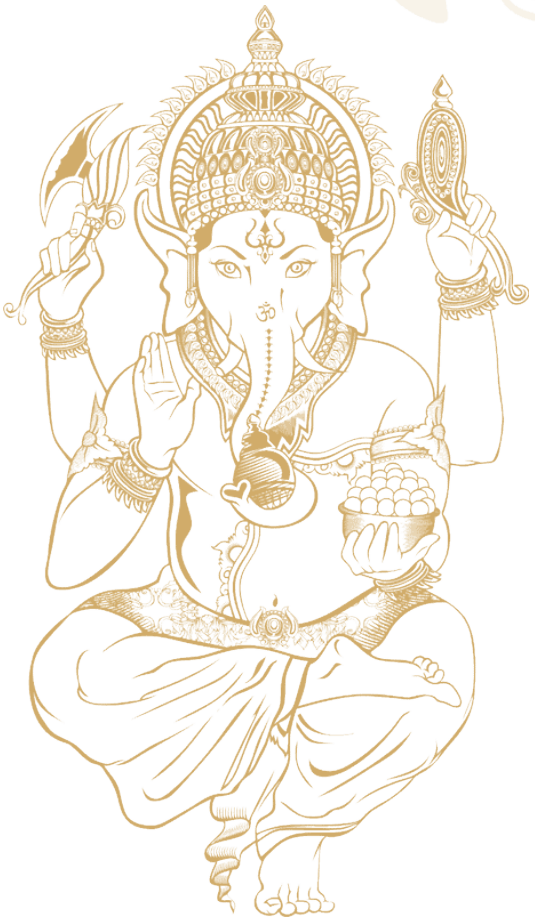

Yash Anugya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121485105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/05/1997	जन्म तिथि	13/05/1999
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 14:22:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 21:53:45	जन्म समय(घटी)	38:18:00 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Alwar
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:36:29	सूर्योदय	05:36:40
19:10:20	सूर्यास्त	19:03:45
23:49:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 11वर्ष 0मा 14दि	04:16:42	कन्या	लग्न	वृश्चि	24:27:59	केतु 5वर्ष 10मा 18दि
शनि	06:31:25	वृष	सूर्य	मेष	28:35:21	सूर्य
04/06/2008	24:08:03	तुला	चंद्र	मेष	02:07:25	01/04/2025
05/06/2027	26:02:11	सिंह	मंगल व	तुला	03:42:25	01/04/2031
शनि 08/06/2011	11:27:19	मेष	बुध	मेष	14:57:22	सूर्य 19/07/2025
बुध 15/02/2014	27:30:38	मक	गुरु	मीन	27:13:11	चन्द्र 18/01/2026
केतु 27/03/2015	19:15:40	वृष	शुक्र	मिथु	11:39:13	मंगल 26/05/2026
शुक्र 27/05/2018	22:28:33	मीन	शनि	मेष	14:57:55	राहु 20/04/2027
सूर्य 09/05/2019	02:58:45	कन्या व	राहु व	कर्क	23:15:28	गुरु 06/02/2028
चन्द्र 07/12/2020	02:58:45	मीन व	केतु व	मक	23:15:28	शनि 18/01/2029
मंगल 16/01/2022	14:49:35	मक व	हर्ष	मक	22:55:14	बुध 24/11/2029
राहु 22/11/2024	06:02:15	मक व	नेप व	मक	10:30:43	केतु 01/04/2030
गुरु 05/06/2027	10:31:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	15:45:01	शुक्र 01/04/2031

लग्न-चलित

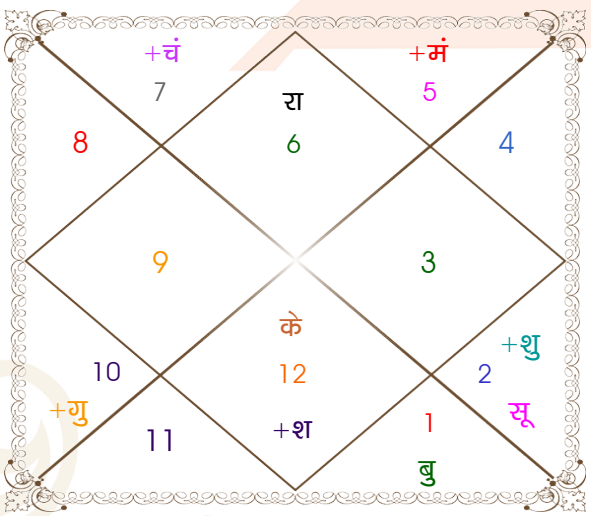

लग्न-चलित

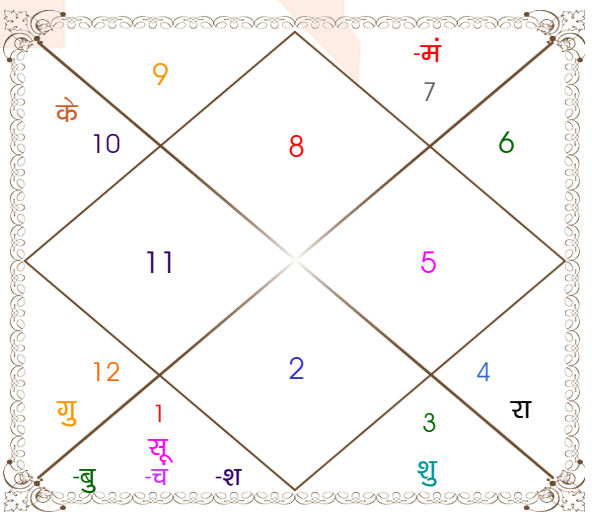

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

लैे का वर्ग सर्प है तथा Anugya का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे और Anugya का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Anugya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Anugya कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Anugya कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

लैे तथा Anugya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।